


तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

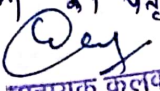
अहकाम
हुकम की
में जारी हुए

03.01.25

पत्रावली पेश। वाकुलम उपस्थित।
पत्रावली बहस हेतु दिनांक 27.1.25
को पेश हो।

सहायक कलेक्टर
(SDO) शिव

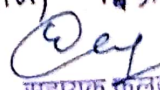
27.01.25

पत्रावली पेश। वाकुलम उपस्थित।
प्रार्थना पत्र में उल्लेखित अधिवक्ता की
बहस सुनी गई। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा
अपनी बहस में आवेदन पत्र के तथ्यों
को दोहराते हुए निवेदन किया कि
विवादित आराजी प्रार्थी को जरिजे विवा
(दान) से प्राप्त हुई है तथा प्रार्थी मोक्ष
पर अपने कब्जा का मत में काबिज होने
से माननीय जज साहब द्वारा पूर्व में दिनांक
24.07.2023 को जारी अंतरिम आदेश
निषेधाज्ञा को तत्काल वाद कथम किण
जोड़ें। इसके विपरीत विप्रार्थी संजय, के
अधिवक्ता द्वारा अपनी बहस में निवेदन
कि विवादित आराजी विप्रार्थी संजय, द्वारा
जरिजे विवा पत्र निष्पादित करवाकर रूप
की गई है। मुस्लिम विधि अनुसार रूपशुदा
भूमि के खतेदार के जीवनकाल में आराजी
संतान प्रभव वारिधान का कोई एक हिस्सा
निहित नहीं होता है। उक्त विवादित
आराजी में वक्त से लेकर विप्रार्थी का ही
मोक्ष पर रहवासी हामी समित कब्जा होने
से प्रथम हाजम मागला व सुविधा का
संबुलन विप्रार्थी संजय, के पक्ष में है।
प्रार्थी के द्वारा उक्त विवादित आराजी को पूर्व


सहायक कलेक्टर
(SDO) शिव

भूमि बताने हुए मनागदत एवं सूबे तम्हों
के आधार पर विजयगीर के विरुद्ध
एकपक्षीय अंतरिम स्थापन ले रखा है,
जिसे विजयगीर के खातेदारी अधिकारों
पर कुठाराघात हो रहा है। अतः सीमांत के
निवेदन है कि विवादित आराजी विजयगीर
की स्वयंजित खरीददखुरा भूमि होने से
इस भूमि में जमीन का कोई एक हिस्सा
निहित नहीं होने तथा किसी प्रकार का
हिल्ला (दानपत्र) निष्पादित नहीं करवाना
हुआ होने से जमीन डाप सूबे व मनागदत
तम्हों पर आधारित पेश आवेदन को
खारिज फलामा जावे तथा पूर्व में जारी
अंतरिम निष्पत्ती को समाप्त किया जावे।

हमने उपरोक्त को सुन एवं पत्रावली
का जम्हीरनापूर्वक अवलोकन किया। चूंकि
जमीन डाप इतना विवादित आराजी में
हिल्ला (दान) से अपना एक हिस्सा निहित
होने का कथन करते हुए एकपक्षीय स्थापन
जारी करवाना हुआ है पत्रावली में पेश
जमावदी के अवलोकन से स्पष्ट है कि
वर्तमान राजस्व रकई में जमीन का नाम
दर्ज नहीं है तथा न ही जमीन द्वारा
अपने हिल्ला (दान) के संबंध में कोई
इस्तावेज पेश किया गया है, जिससे स्पष्ट
है कि विवादित आराजी में जमीन का
एक हिस्सा निहित हो। विजयगीर वकील
डाप अपने जवाब के साथ पेश इस्तावेज
नामान-तरकरण की प्रति के इस्तोदन से
स्पष्ट है कि विवादित आराजी विजयगीर


सहायक कमिश्नर
(S.D.O) शिव

तारीख
हुकम


हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहकाम
हुकम की
में जारी हुए

संवासें

इस दाय की गई है। खातेदार के जीवनकाल में अर्जित आसानी उसके जीवनकाल के ही आसानी जीटी अर्जित उसके विवाहित को पैतृक रूप से प्राप्त नहीं हो सकती है। अतः विवाहित आसानी विवाहित की खातेदारी लेने तथा इनका कब्जा कायम होने से आसानी का विवाहित आसानी में कोई एक हिस्सा निहित नहीं होगा व हिस्सा (अन) के इस्ताक़ेज नहीं होने के अभाव में उक्त आवेदन मनगढ़त तथ्यों पर आधारित पेश किया हुआ होगा प्रतीत है, जिसे आसानी अर्थात् निवेद्यता प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं रहता है। लिहाजा उक्त आवेदन मनगढ़त तथ्यों पर आधारित होने से चलते योग्य नहीं होने से पूर्व में दिनांक 24.07.2023 को जारी अंतर्गत अर्थात् निवेद्यता को समाप्त किया जाकर उक्त आवेदन को इती स्ट्रेज पर खारिज किया जाता है।

पत्रावली फ़ैसल युमाए होकर नम्बर से कम होकर दायित्व दफ़्तर में।


सहायक कलक्टर
(SDO) शिव